बी० ए० I [redacted]

समाज शास्त्र

मौलिक अवधारणाएं, समुदाय समिति एवं संस्थाएं —

समाज शास्त्रीय समुदाय से, समिति एवं संस्था अत्यन्त महत्व पूर्ण अवधारणाएं है। इन शब्दों का न केवल सामान्य लोगों से बल्कि कुछ समाज-वैज्ञानिक तक ने मनमाने ढंग से अर्थ लगाया है। किसी भी विषय को सही रूप से समझने और उनमें निश्चितता लाने के उद्देश्य से यह आवश्य है कि उस से सम्बन्धित प्राथमिक अवधारणाओं को वैज्ञानिक आधार पर ठीक से समझ लिया जाय।

समुदाय -(Community)

यह सामान्य भाषा में प्रचलित शब्द है। इसका प्रयोग जाति, विशेष, धर्म विशेष या सम्प्रदाय विशेष के लोगों के समूह के लिए किया जाता है जैसे- ब्राह्मण समुदाय, हिन्दु समुदाय, जैन समुदाय, आदि परन्तु समाज शास्त्र में समुदाय शब्द का प्रयोग इन अर्थ में नही किया गया है। समाजशास्त्र में किसी कस्बे नगर महानगर तथा देश को समुदाय माना जाता है, इन समुहों के

के साथ एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र जुड़ा हुआ है। जैसे- जयपुर दिल्ली कानपुर आगरा भोपाल आदि नगरो के अपने-अपने निश्चित भौगोलिक प्रदेश है। जहा व्यक्तियो का एक समुह सामान्य रूप से निवास करता है। व्यक्ति के जीवन के सभी क्रिया कलाप समुदाय में ही होते है।

समुदाय का अर्थ एंव परिभाषा

शाब्दिक दृष्टि से समुदाय के अर्थ पर विचार करने पर हम पाते है कि अंग्रेजी का (community)(समुदाय) शब्द दो लैटिन शब्दो - 'com' तथा 'munis' से बना है 'com' का अर्थ है (together) अर्थात 'एकशब्दसे' और (munis) का अर्थ (Serving) अर्थात सेवा करने से है। इन शब्दो के आधार ~~समुदाय के आधार पर~~ समुदाय का तात्पर्य "साथ-साथ मिलकर सेवा करने से है" किसी एक उद्देश्य के लिए नही बल्कि सामान्य उद्देश्यो के लिए इकट्ठे रहते है।

PAGE NO.:
DATE: / /

परिभाषा -

मैकाइवर एवं पेज के अनुसार -
"समुदाय सामान्य जीवन का क्षेत्र है।"

बोगार्डस के अनुसार — "एक समुदाय एक ऐसा सामाजिक समूह है। जिसमें कुछ अंशो में 'हम की भावना' पायी जाती तथा जो एक निश्चित क्षे० में रहता है"
जार्ज लुण्डवर्ग के अनुसार — "एक मानव जनसंख्या जो एक निश्चित भौगोलिक क्षे० मे निवास करती है। और जो सामान्य एवं अन्योन्याश्रित जीवन व्यतीत करती है।"

~~आर्थवन~~ ऑगबर्न तथा निमकाफ के शब्दो में — "एक सीमित क्षेत्र सामाजिक जीवन के सम्पूर्ण संगठन को समुदाय कहा जाता है।"

डेविस के अनुसार — "समुदाय सबसे छोटा ऐसा समूह है जिसमें सामाजिक

जीवन समस्त पहलु आ जाते है।"

समुदाय की विशेषताएं - विभिन्न परिभाषा के आधार पर समुदाय की निम्नांकित विशेषताए प्रकट होती है

1- व्यक्तियो का समुह - किसी समुदाय के लिए व्यक्तियो का समुह प्रथम आवश्यकता है - व्यक्तियो के बिना न तो सामान्य सामाजिक जीवन की कल्पना की जा सकती है

2- निश्चित भौगोलिक क्षे० - प्रत्येक समाज के लिए निश्चित भौगोलिक क्षे० का होना आवश्यक है। जब तक कोई समुह निश्चित भौगोलिक क्षे० में निवास नही करता।

3- सामुदायिक भावना - इसे हम की भावना (We-Feeling) के नाम से पुकारते है। समुदाय के निर्माण के सामुदायिक भावना का होना अत्यन्त आवश्यक है। सामुदायिक भावना का तात्पर्य 'हम सब एक है' यह समुदाय हमारा है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, वाराणसी